SEM-3, Sc-302, By- DE Shyam Bihari Choudhary

TOPIC- ENVIRONMENTAL POLLUTION

Date 03/09/26
Page (1)

प्रकृति एवं मानव का सृष्टि की उत्पत्ति से ही घनिष्ठ सम्बन्ध रहा है। पृथ्वी पर मानव के आविर्भाव के साथ ही उसकी आवश्यकताओं का भी जन्म हुआ। आदि मानव का जीवन पूर्णतः प्रकृति पर निर्भर था। उसकी आवश्यकताएँ बहुत सीमित थी, अतः मानव एवं प्रकृति में एक सामंजस्य था। आर्थिक व तकनीकी विकास तथा जनसंख्या वृद्धि के कारण मानव की आवश्यकताएँ बहुत अधिक बढ़ गयी। इनकी पूर्ति के लिए मानव ने प्राकृतिक संसाधनों का निर्दयतापूर्वक शोषण प्रारम्भ कर दिया। परिणामस्वरूप मानव व प्रकृति का सामंजस्य गड़बड़ाने लगा। अपने जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए मानव ने अधिक पर्यावरण को दूषित करना प्रारम्भ कर दिया।

पर्यावरण प्रदूषण मानव की विकासात्मक प्रक्रिया तथा आधुनिकता की देन है। प्रदूषण के कारण पृथ्वी के समस्त जीवधारियों का जीवन संकट में पड़ गया है।

प्रदूषण का अर्थ एवं परिभाषा

प्रदूषण अँग्रेजी के शब्द Pollution का अनुवाद है जो मूल रूप से लैटिन भाषा के शब्द 'Polluctus' से बना है। इसका अर्थ है दूषित करना (to make Unclean)

SEM-3, Sc-302, UNIT – By – Dr. S.B. Choudhary

TOPIC – ENVIRONMENTAL POLLUTION

Date 03/09/20
Page (2)

ई. पी. ओडम के अनुसार –
"वायु, जल एवं मृदा के भौतिक रासायनिक व जैविक गुणों में होनेवाला ऐसा अवांछित परिवर्तन जो मनुष्य के साथ ही सम्पूर्ण परिवेश के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों को हानि पहुँचाता है, प्रदूषण कहलाता है

ऐसे पदार्थ जो पर्यावरण में प्रदूषण फैलाते हैं, प्रदूषक कहलाता है। मानव द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली वस्तुओं की त्याज्य सामग्री या अवशिष्ट जैसे घरेलू कूड़ा-कचरा, कारखानों के अपशिष्ट, वाहनों का धूआँ आदि इसमें सम्मिलित हैं।

प्रदूषक अनेक प्रकार के होते हैं, जैसे ठोस, द्रव व गैसीय रूप में, प्राकृतिक, मानवकृत व मिश्रित आदि।

कार्बन मोनो ऑक्साइड, सल्फर डाइ ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, हाइड्रो कार्बन, सल्फ्यूरिक अम्ल, फ्लोरिन व फ्लोराइड्स, क्लोराइडस, विभिन्न प्रकाश जनित रसायन, ब्रोमाइड, रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक, शाकनाशक, पारा, सीसा, लोहा जस्ता, रेडियोधर्मी पदार्थ, ताप, मल, शोर, कालिख, धुआँ, टार, धूल आदि प्रमुख प्रदूषक है।